



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 225 ]

No. 225]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 28, 2002/भाद्र 6, 1924

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 28, 2002/BHADRA 6, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2002

**विषय :** चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन 'ई' के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत

सं. 14/32/2002-डीजीएडी.—वै. ई. मर्क (इंडिया) लि., मुंबई ने सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन-ई के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच शुरू करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

## 1. विचाराधीन उत्पाद

मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद विटामिन ई (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) विटामिन ई जो डी एल अल्फा टोकोफिराइल नाम से भी जाना जाता है, एक कार्बनिक रसायन है जिसे टोकोफिराइल नामक यौगिकों के एक समूह द्वारा तैयार किया जाता है। इसे सर्वप्रथम इसके ऐसिटेट स्वरूप में तैयार किया जाता है, जो विटामिन ई ऐसिटेट के रूप में भी जाना जाता है। इस ऐसिटेट का इसी रूप में प्रयोग किया जा सकता है अथवा विभिन्न प्रकार जिसमें विटामिन ई प्योर विटामिन ई एनिमल ग्रेड (फीड ग्रेड) 50%, विटामिन ई फार्मा ग्रेड 50% तथा विटामिन ई यौगिकों अथवा इससे व्युत्पन्न शामिल है, प्राप्त करने हेतु आगे प्रसंस्कृत किया जा सकता है। विटामिन ई का बाजार जहां आयात विशाल मात्रा में किए जाते हैं, को दो भागों में बांटा जा सकता है- ऐसिटेट ग्रेड तथा फीड ग्रेड। फीड ग्रेड की लागत तथा कीमत ऐसिटेट ग्रेड की लागत तथा कीमत से लगभग आधी होती है क्योंकि इसमें 50% विटामिन ई तथा अल्प मात्रा में कुछ मिश्रण शामिल होते हैं।

विटामिन ई की गुणता का वर्णन इसकी शुद्धता के अनुसार किया जाता है। भिन्न भिन्न प्रकार की शुद्धता की आवश्यकता अलग अलग कार्यों में प्रयोग के लिए होती है। उत्पाद की शुद्धता संबंधित लागत तथा कीमतों को निर्धारित करती है यद्यपि 100% आधार पर लागतें सामान्यतया समान होती है। वर्तमान याचिका उन सभी प्रकार के विटामिन ई के विरुद्ध है जो कि प्राकृतिक विटामिन ई को छोड़कर सिंथेटिक प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किए जाते हैं।

विटामिन ई को भारतीय व्यापार वर्गीकरण के तहत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमा शुल्क उप-शीर्ष सं.2936.28 तथा 2936.2800 के तहत वर्गीकृत किया गया है। विटामिन ई का फीड ग्रेड (एनिमल कंपाऊंड फीड में योगात्मक के रूप में प्रयुक्त) को 2309.9010 के तहत स्वीकृत किया जाता है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है विचाराधीन उत्पाद की जांच शुरू की जाए चाहे उनका आयात वर्गीकरण कोई भी हो। सीमा शुल्क वर्गीकृत मात्र सांकेतिक हैं और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र में बाधक नहीं है।

याचिकाकर्ता ने डीजीसीआईएंडएस, कोलकाता तथा गौण स्रोतों अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सूचना सेवाएं, मुंबई से आयात आंकड़ों को प्रस्तुत किया है यद्यपि उन्होंने आई बी आई एस द्वारा संकलित आंकड़ों पर विश्वास किया है क्योंकि यह उच्च आयात मात्राओं को दर्शाते हैं। फीड ग्रेड के संबंध में, याचिकाकर्ता ने मात्रा, मूल्य तथा आयात कीमत निर्धारण के लिए आई बी आई एस द्वारा संकलित सूचना पर भरोसा जताया है क्योंकि सीमाशुल्क 2309.90 इस उत्पाद के लिए एक मात्र वर्गीकरण नहीं है।

## 2. घरेलू उद्योग की स्थिति

याचिका मै. ई मर्क (इंडिया) लि., मुंबई द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वे भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक मात्र उत्पादक हैं। प्रथम दृष्ट्या, उपरोक्त नियमों के नियम 5(3)(क) के अनुसार याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में होने का मानदंड पूरा करता है।

इसलिए याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में है।

## 3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) है।

## 4. समान वस्तुएं

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तुएं चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु है याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित विटामिन ई तथा संबद्ध देश से निर्यातित विटामिन ई में कोई विशेष अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता दावा करते हैं कि दोनों तकनीकी रूप से तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को उपरोक्त नियम के अर्थ के अंतर्गत संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

## 5. सामान्य मूल्य

प्राधिकारी इस बात को नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का दावा किया है जिसमें चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानते हुए समुचित समायोजन भी किए गए हैं। प्राधिकारी का यह प्रस्ताव है कि यथा संशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुबंध ॥ के पैरा 7 और 8 के मद्देनजर याचिकाकर्ता के दावे की जांच की जाए। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्ट्या याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य पर विचार किया है।

## 6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने आंकड़ों को गौण स्रोतों अर्थात् मै0 इंटरनेशनल बिजनेस इन्फार्मेशन सर्विस, मुम्बई के आधार पर सम्बद्ध देशों से निर्यात कीमत का दावा किया है, जिनके आंकड़े कस्टम्स डेली लिस्ट पर आधारित होते हैं। गौण स्रोत के आंकड़ों से याचिकाकर्ता ने विवरण (एसिटेट ग्रेड एवं फीडग्रेड) के आधार पर आंकड़ों को छांटा है और इनमें विचाराधीन उत्पाद के सौदों को शामिल किया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में स्वदेशी परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है।

## 7. पाटन मार्जिन

इस बात के प्रथम दृष्टया साक्ष्य है कि सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि सम्बद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा सम्बद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

## 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत विभिन्न क्षति संबंधी मापदण्ड यह इंगित करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों में निरपेक्ष रूप से तथा देश को हुए कुल आयातों में उनके हिस्से के रूप से, वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने बताया है कि संबद्ध वस्तु की माँग में चीन जनवादी गणराज्य का हिस्सा अत्यधिक बढ़ा है जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का हिस्सा कम हुआ है। निर्यात कीमत में गिरावट के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आयातों का पहुँच मूल्य कम हो गया है जोकि उत्पादन लागत से कम है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि जाँच की प्रस्तावित अवधि में क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्रियों में कमी आई है जबकि इसी अवधि के दौरान उत्पाद की कुल माँग में वृद्धि हुई है। फीड ग्रेड में याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत में कमी आई है तथा याचिकाकर्ता की लाभप्रदता को काफी नुकसान पहुँचा है जिसके परिणाम स्वरूप घाटे हुए हैं। याचिकाकर्ता आगे कहते हैं कि उन्हें एसिटेट ग्रेड के आयातों से मात्रात्मक नुकसान और फीड ग्रेड के आयातों से मात्रात्मक तथा कीमत दोनों में नुकसान पहुँचा है। इस प्रकार, प्रथम दृष्टया, याचिकाकर्ता को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है।

## 9. पाटनरोधी जाँच का आरंभ

उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु की आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जाँच आरंभ करते हैं।

## 10. जाँच की अवधि

वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ की जाँच अवधि 1 जनवरी, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक की है।

**11. सूचना देना**

संबद्ध देशों में निर्यातकों और भारत में आयातकों, जिन्हें इस जांच से संबंधित समझा जाता है, को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011 को निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से संबंधित सूचना भेजें और अपने विचारों से अवगत कराएं।

उपरोक्त नियमों के नियम 6(5) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच के अधीन वस्तु के औद्योगिक उपयोक्ताओं तथा प्रतिनिधि उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान किया जा रहा है जो ऐसी सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में जांच से संगत हो। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।

**12. समय सीमा**

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर सूचना प्रस्तुत करनी होगी। यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय सीमा में वृद्धि के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. वी. सप्तगुप्ते, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th August, 2002

**Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning import of Vitamin 'E' originating in or exported from Peoples' Republic of China.**

**No. 14/32/2002-DGAD.—**M/s. E. Merck (India) Ltd., Mumbai, has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Vitamin-E originating in or exported from China PR and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

**1. Product Under Consideration:**

The product under investigation in the present case is Vitamin-E. (hereinafter referred to as subject goods). Vitamin-E, also known as dL – Alpha- Tocopheryl, is an organic chemical, which is composed of a group of compounds called Tocopheryl. It is first produced in its

acetate form, which is also known as Vitamin-E Acetate. This Acetate can either be used as it is or further processed to obtain the different types, which includes, Vitamin E-pure, Vitamin-E- animal grade (Feed grade) 50%, Vitamin-E Pharma grade-50% and Vitamin-E compounds or derivatives. The market for Vitamin E where the imports are reported in huge volumes can be divided into two parts – Acetate Grade and Feed Grade. Cost and price of feed grade is almost of half of acetate grade as it contains 50% Vitamin-E and some additives in small value.

Quality of Vitamin E is described in terms of its purity. Different purity is required for different end use. The purity of the product determines the associated cost and prices even though costs on 100% basis are largely similar. The present petition is against all forms of Vitamin E, which is obtained from synthetic process except the Natural Vitamin E.

Vitamin E is classified under customs sub heading No.2936.28 of the customs tariff act 1975 and under 2936.2800 under Indian Trade Classification. The feed grade of Vitamin E (used in animal compound feed as an additive) is cleared under 2309.9010. The petitioner has requested that the investigations be initiated against the product under consideration irrespective of the classification under which they are being imported. Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

The petitioner has submitted the imports data from DGCI&S, Kolkata and from the secondary sources i.e. International Business Information Services, Mumbai though they have relied upon the data compiled by IBIS, as it shows higher import volumes. With regard to feed grade, the petitioner has relied upon information compiled by IBIS for determination of volume, value and import price as customs classification 2309.90 is not exclusive for this product.

## **2. Domestic Industry Standing:**

The petitioner has been filed by M/s E. Merck (India) Ltd., Mumbai. The petitioner has claimed that they are the sole producer of subject goods in India. Prime facie the petitioner satisfy the criteria of standing to file the petition on behalf of the domestic industry in terms of Rule 5(3)(a) of the Rules supra.

The petitioner therefore satisfies the standing to file the present petition.

## **3. Countries Involved :**

The country involved in the present investigation is China PR (hereinafter referred to as subject country).

**4. Like Goods:**

The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from China PR. There is no significant difference in the Vitamin E produced by the petitioner and those exported from subject country. The petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. Therefore, for the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles of the product imported from the subject country within the meaning of the Rules, supra.

**5. NORMAL VALUE**

The Authority notes that the petitioner has claimed normal value of subject goods in PR China on the basis of constructed cost of production with appropriate adjustments treating China as non-market economy. The Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of para 7 and 8 of the Annexure II of the Anti-Dumping rules, as amended. The Authority has prima facie considered the normal value of subject goods in PR China on the basis of constructed cost of production as made available by the petitioner.

**6. EXPORT PRICE:**

The petitioner has claimed the export price from the subject country based on the secondary data sources, i.e. M/s International Business Information Service, Mumbai whose data is based on the Customs Daily List. From the data of secondary source, the petitioner has sorted the data on the basis of description (Acetate Grade and Feed Grade) and clubbed the transactions for the product under consideration. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level.

**7. DUMPING MARGIN**

There is prima facie evidence that Normal Value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the ex-factory export price indicating prima facie that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country

**8. INJURY AND CAUSAL LINK**

Various injury parameters cited by the Petitioner suggest that imports of subject goods from China PR have increased in absolute terms as well as in terms of their share in total imports into the country. The petitioner submits that the share of China PR in

demand of subject goods have increased significantly while the share of the domestic industry has declined during the same period. The decline in export price has directly resulted in the decline in the landed value of imports, which are below than cost of production. The Petitioners submit that there is a decline in the capacity utilization and domestic sales within the proposed period of investigation while the total demand for the product has increased during the same period. In the feed grade there is a decline in the selling price of the petitioner and the profitability of the petitioner has suffered very adversely resulting into losses. The petitioner further submits that it has suffered volume injury from imports of Acetate grade and it has suffered volume as well as price injury from imports of feed grade. Thus, prima facie, the petitioner has suffered material injury from dumped imports of subject goods from subject country.

### **INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS**

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

#### **10. PERIOD OF INVESTIGATION**

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st January 2001 to 31<sup>st</sup> March 2002.

#### **11. SUBMISSION OF INFORMATION**

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi – 11 00 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

**12. TIME LIMIT**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request whatsoever shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

**13. INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interest party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority